जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 186
दिनांक 25.11.2023

कृषि को स्मार्ट बनाने हेतु नवीनतम एवं उन्नत तकनीकियों के अध्ययन के लिये अद्वितीय पहल– कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा

जनेकृविवि का 8 सदस्यीय दल वियतनाम के लिये रवाना

कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने मिष्ठान खिलाकर दी बधाई

जबलपुर 25 नवम्बर, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (नाहेप) के द्वारा 8 कृषि वैज्ञानिकों का दल रिमोट सेंसिंग जीआईएस एवं स्मार्ट एग्रीकल्चर की नवीनतम तकनीकों व शोध की विधियों के अध्ययन के लिये वियतनाम की एच.यू. ई. यूनिवर्सिटी रवाना हुआ। कृषि को स्मार्ट बनाने के लिये कृषि संकाय के 8 सदस्यीय दल को कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने मिष्ठान खिलाकर, बधाई देते हुये कहा कि विश्वविद्यालय के इतिहास में यह अद्वितीय पहल है। सभी 8 वैज्ञानिक वियतनाम की एच.यू.ई. यूनिवर्सिटी पहुंचकर वहां की रिमोट सेंसिंग जीआईएस एवं स्मार्ट एग्रीकल्चर की नवीनतम तकनीकों का ज्ञान अर्जित करेंगे, जिससे हमारे यहां के किसानों एवं अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को नई–नई टैक्नोलॉजी की महत्वपूर्ण जानकारी हस्तांरण हो सकें, और कृषि में उसका प्रयोग कर किसान खेती को लाभ का धंधा बना सकें। कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन के विकास की एक अनूठी पहल के रूप में विभिन्न देशों में वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के दल को लगातार अध्ययन हेतु बाहर भेजा जा रहा है। वियतनाम में कृषि के क्षेत्र में चल रहे नवीनतम एवं उन्नत तकनीकियों के अध्ययन हेतु यह दल आज बड़े हर्षोल्लास एवं एक नई उम्मीद के साथ रवाना हुआ। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. पी.बी.शर्मा, नाहेप परियोजना के प्रमुख डॉ. आर.के. नेमा, परियोजना के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के सह अन्वेषक प्रो. आर.एन.श्रीवास्तव ने यात्रा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

परियोजना के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के सह अन्वेषक प्रो. आर.एन.श्रीवास्तव ने कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा एवं आईसीएआर (नाहेप) का आभार व्यक्त करते हुये बताया कि कृषि वैज्ञानिकों के दल में डॉ. प्रदीप मिश्रा,कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, रीवा, डॉ. अनिता बब्बर, डिपार्टमेंट ऑफ प्लांट ब्रीडिंग एण्ड जेनिटिक्स,कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर,जबलपुर, डॉ. विक्रम सिंह गौर, बायो टेक्नॉलॉजी, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर ऑफ वारासिवनी, बालाघाट, डॉ. कैलाश नारायन गुप्ता, प्लांट पैथालॉजी, सीशम एण्ड नाइजर, जनेकृविवि जबलपुर, डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी, प्लांट फिजियोलॉजी,कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर,जबलपुर, डॉ. सोमनाथ सीताराम सरवदे,कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर ऑफ वारासिवनी, बालाघाट, डॉ. बीरेन्द्र स्वरूप द्विवेदी, डिपार्टमेंट ऑफ सॉइल साइंस एण्ड एग्री.केमिस्ट्री, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर,जबलपुर, डॉ. ललित मोहन बल, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर,टीकमगढ़ शामिल हैं। वैज्ञानिकों का यह दल एक माह तक वियतनाम की एच.यू. ई. यूनिवर्सिटी में खेती की नई–नई तकनीको का अध्ययन करेंगे। इस एक माह के कार्यक्रम का सम्पूर्ण व्यय नाहेप परियोजना के माध्यम से होगा।

इस मौके पर वियतनाम जाने वाले दल को अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस.के. पांडे, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, संचालक अनुसंधान सेवाये डॉ. जी.के. कौतू, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. आर.एस.शुक्ला, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय,जबलपुर, डॉ. पी.बी.शर्मा, नाहेप प्रमुख डॉ. आर.के.नेमा, कुलसचिव श्री रेवासिंह सिसोदिया, लेखानियंत्रक श्री डी.आर. महोबिया सहित सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, सह प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने बधाईयां एवं शुभकामनायें प्रेषित की।